



124

---

---

---

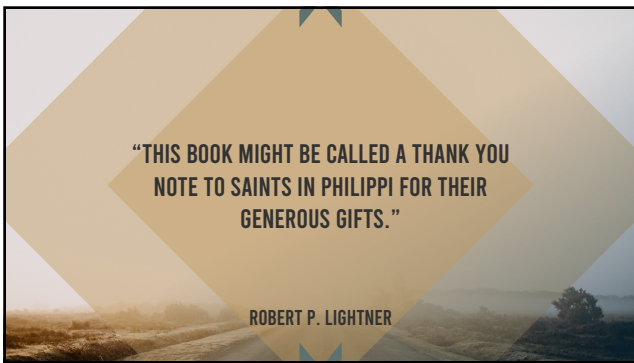
---

---

---

---

---



125

---

---

---

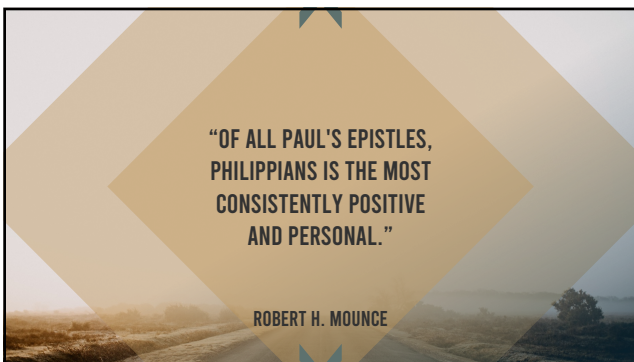
---

---

---

---

---



126

---

---

---

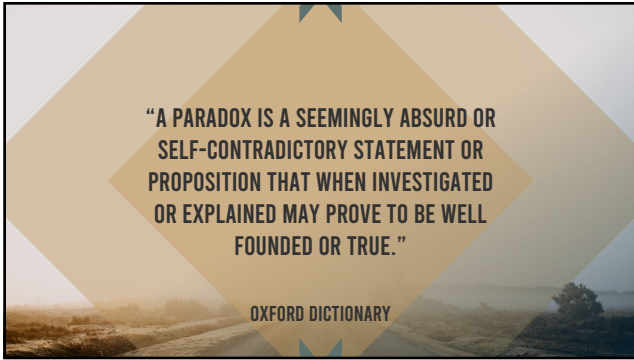
---

---

---

---

---



127

---

---

---

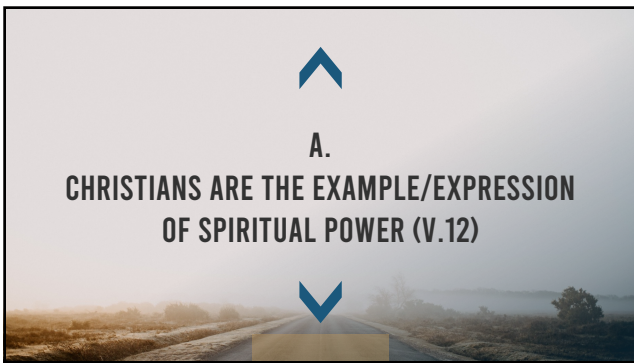
---

---

---

---

---



128

---

---

---

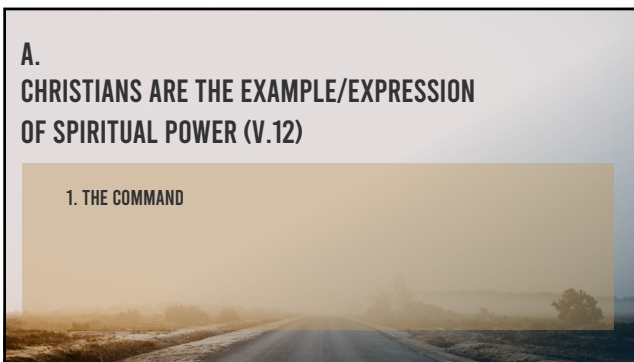
---

---

---

---

---



129

---

---

---

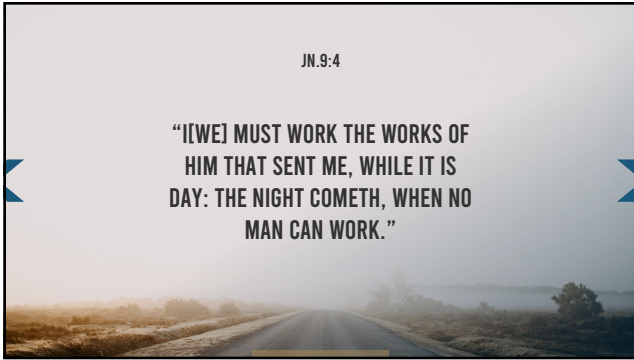
---

---

---

---

---



130

---

---

---

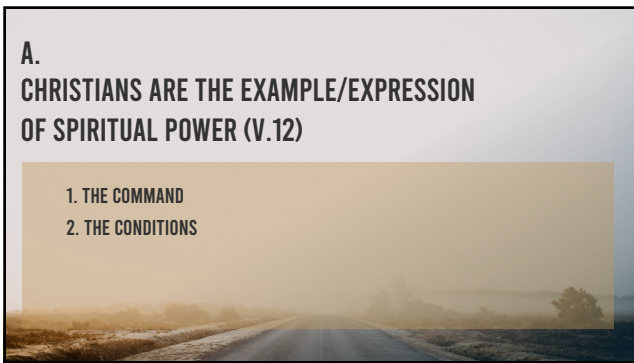
---

---

---

---

---



131

---

---

---

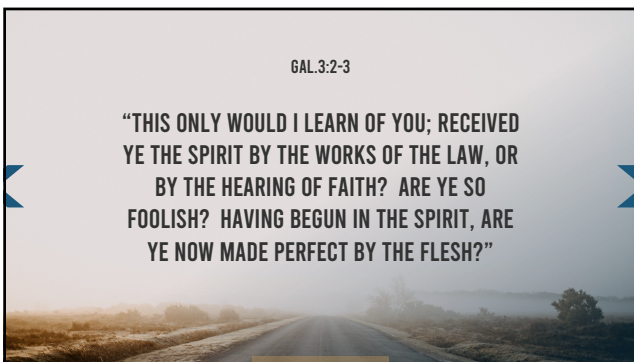
---

---

---

---

---



132

---

---

---

---

---

---

---

---



133

---

---

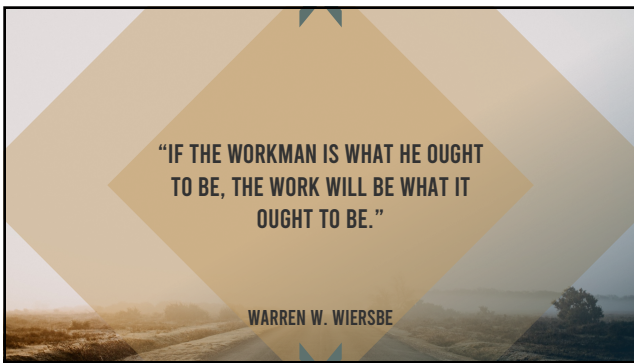
---

---

---

---

---



134

---

---

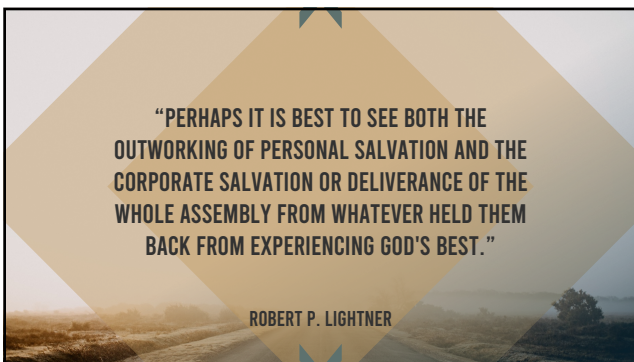
---

---

---

---

---



135

---

---

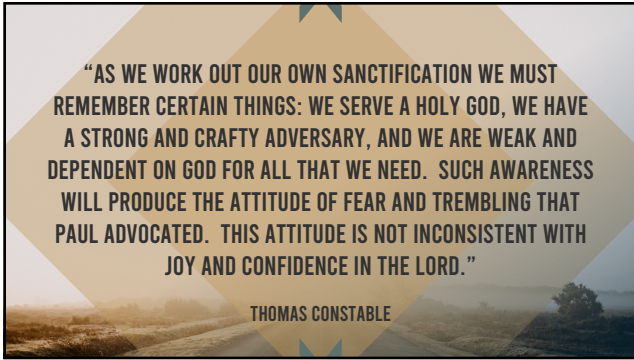
---

---

---

---

---



136

---

---

---

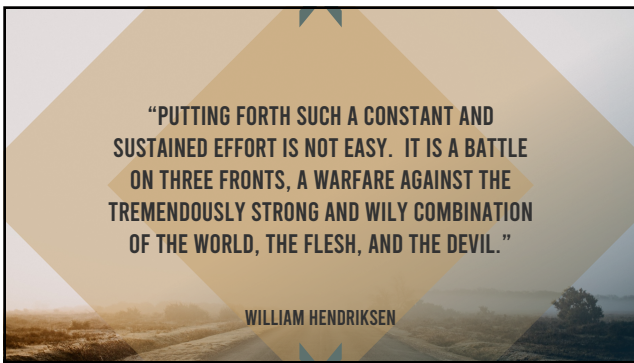
---

---

---

---

---



137

---

---

---

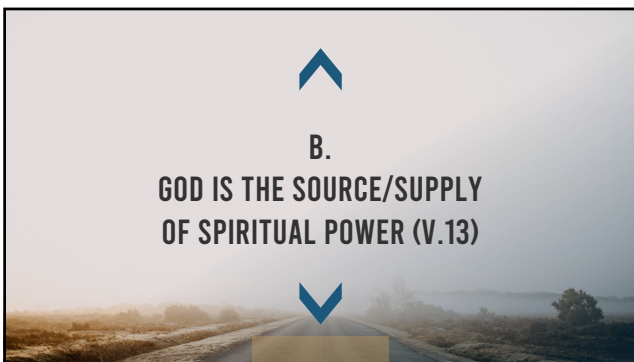
---

---

---

---

---



138

---

---

---

---

---


---

---

---

**B.**  
**GOD IS THE SOURCE/SUPPLY OF SPIRITUAL POWER (V.13)**

1. THE COMMENCEMENT OF SPIRITUAL POWER



139

---

---

---

---

---

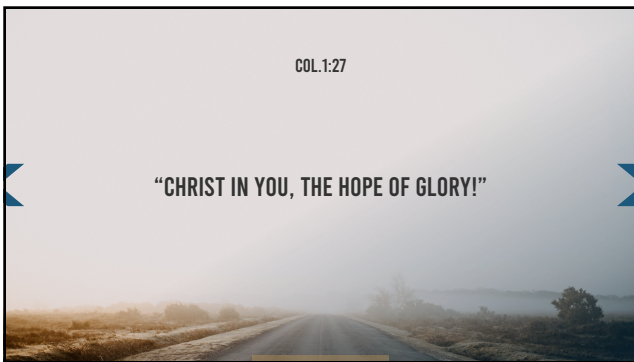
---

---

---

COL.1:27

“CHRIST IN YOU, THE HOPE OF GLORY!”



140

---

---

---

---

---

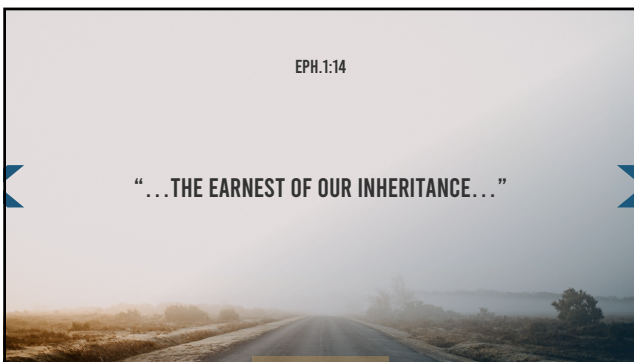
---

---

---

EPH.1:14

“...THE EARNEST OF OUR INHERITANCE...”



141

---

---

---

---

---

---

---

---

**B.**  
**GOD IS THE SOURCE/SUPPLY OF SPIRITUAL POWER (V.13)**

- 1. THE COMMENCEMENT OF SPIRITUAL POWER
- 2. THE COMPONENTS OF SPIRITUAL POWER
  - A. DEPENDENT ATTITUDE
  - B. DILIGENT ACTION

142

---

---

---

---

---

---

---